सिरहा पंचायत में वर्तमान में चल रहे कार्यक्रम एव आवश्यकताएँ

भारत को 2020 तक विकसित करने का एक मापदंड तैयार किया गया है जिसमें गाँव को प्रमुखता से विकसित करने का PURA(Providing Urban facilites in Rural Area) का रूप-रेखा तैयार किया गया है. इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु अभी अनेकों कार्यक्रम का संचालन सिरहा पंचायत में किया जा रहा है. इस पंचायत को एक मॉडल के रूप में बदल कर और सारे मैकेनिज्म तैयार कर चम्पारण के साथ पुरे देश को विकसित करने का एक दूरगामी सोच को धरातल पर उतारने का एक कदम बढाया गया है.

Figure 1ख्वाब फाउंडेशन द्वारा प्रदत कंप्यूटर

एक नज़र चल रहे कार्यक्रम पर.....

a.नि:शुल्क शिक्षा-लगभग 300 पंचायत के बच्चों को 5 (अवैतनिक) शिक्षकों द्वारा पढाया जा रहा है.

b."पुस्तकालय(सत्यदर्शन पुस्तकालय)" का निर्माण हो चुका है ,लेकिन जागरूकता के अभाव में न पुस्तक की व्यवस्था हुआ है और न ही लोग पढ़ने के लिए आते है.उचित पुस्तकों के अभाव में बच्चें भी इसका लाभ नहीं उठा पा रहे है .

Figure 2 धर्मेन्द्र द्वारा प्रदत कंप्यूटर टेबल

d."Computer प्रशिक्षण केंद्र" का निर्माण हो गया है लेकिन computer के अभाव में इसका लाभ गाँव वालों को नहीं मिल पा रहा है.गाँव को डिजिटल पंचायत के रूप में बदलने के लिए कम-से-कम 10 कंप्यूटरों की जरूरत पड़ेगी.वर्तमान में केवल एक computer है.

सिरहा पंचायत में वर्तमान में चल रहे कार्यक्रम एव आवश्यकताएँ

f."सिलाई प्रशिक्षण केंद्र" का निर्माण हो चुका है लेकिन सिलाई मशीन के अभाव में संचालन नहीं हो पा रहा है.कम-से-कम 10 सिलाई मशीन की जरुरत है ,वर्तमान में 3 सिलाई मशीन है.

Figure 3 सत्यदर्शन पुस्तकालय एवं बच्चें शिक्षक के साथ

g."पंचायत विज्ञान केंद्र" का स्थापना हो चुका है लेकिंन उपकरणों के अभाव में बच्चों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है.

h."किरण बेदी गर्ल्स स्टडी सर्किल" द्वारा लड़कियों को उचित दिशा-निर्देश किया जा रहा है और निशुल्क पढाया जा रहा है.

i."यंग ब्लड क्लब" का निर्माण हो चुका है. सामानों के अभाव में लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है. सामानों में खेल-कूद का सामान , शादी-व्याह अथवा कोई सामाजिक कार्यक्रम को संपन्न अथवा गरीबों के मदद करने हेतु जनरेटर,टेंट,एम्बुलेंस,कुर्सी,टेबल,दरी,जाजिम आदि की कमी.

j. "विवेकानंद यूथ स्टडी सर्किल" में गाँव के युवा व् विधार्थियों को समुचित दिशानिर्देश किया जा रहा है लेकिन वैसे लोगों की कमी, जो इनका सम्पूर्ण दिशा-निर्देश कर सके .

डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम मोतिहारी में आने के लिए अपनी सहमती दे दिये है और साथ में सिरहा पंचायत भी जाकर परिवर्तित विकसित पंचायत को देखना चाहते है